Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–7306

PAPER–III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम्—III

प्रश्न-पत्र—III

PAPER—III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य शतद्वयम् (200) अङ्काः सन्ति । एवम् अस्मिन् चत्वारि (4) खण्डानि सन्ति। अभ्यर्थिभिः एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहितविस्तृत निर्देशानुसारं देयम्।

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

खण्डम् – I

खण्ड – I

SECTION - I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निम्नाङ्कितानुच्छेदानाश्रित्य पञ्च **(5)** प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकम्प्रश्नः प्रायः त्रिंशत् **(30)** शब्दैः समपेक्ष्यते। प्रत्येकम्प्रश्नः **(5)** पञ्चाङ्ककोऽस्ति। **(5x5=25 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच **(5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्नका उत्तर लगभग तीस **(30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Note : This section contains five **(5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty **(30)** words and each carries five **(5)** marks. **(5x5=25 marks)**

बभूव काञ्चीनाम राजधानी। तस्यां सुप्रतापोनाम राजा। तत्रैकदा कस्यापि धनिकस्य धनं चोरयन्तश्चत्वार श्चौराः सन्धिद्वारि प्रशास्तृपुरुषैः प्राप्ताः शृङ्खलेन बध्द्वा राज्ञे निवेदिताश्च। राजाच घातकपुरुषानादिदेश – रे घातकुपुरुषाः! चतुरोऽपि चौरानेतान् नगराद् बहिर्नीत्वा शूलमारोप्य मारयेति। तनो राजाज्ञया घानकपुरुषैस्त्रयश्चौराः

शूलमारोप्य हताः। चतुर्थेन चिन्तितं यत्

प्रत्यासन्नेऽपि मरणे रक्षोपायो विधीयते।

उपाये सफले रक्षा निष्फले नाधिकं मृतेः।।

अपि च –

व्याधिना पीडयमानोऽपि मार्यमाणो ऽपि भूभुजा।

प्रत्यायाति यमद्वारात् प्रतीकारपरो नरः।।

1. चौराः किमकुर्वन्?

2. राजा किमादिदेश ?

3. प्रत्यासन्नेऽपि मरणे किं करणीयम् ?

4. प्रतीकारेण किं सिद्ध्यति ?

5. अस्याः कथायाः तात्पर्यं किम् ?

खण्डम् – II

खण्ड – II

SECTION - II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **(5)** पञ्चाङ्कात्मकाः पञ्चदश **(15)** प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य उत्तरं प्रायः त्रिंशत् **(30)** शब्दैरपेक्ष्यते।

(5x15=75 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच **(5-5)** अंकों के पंद्रह **(15)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस **(30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Note : This section contains fifteen **(15)** questions each to be answered in about thirty **(30)** words. Each question carries five **(5)** marks.

(5x15=75 marks)

6. चूडाकरणमूहूर्तं प्रतिपादयत।

चूडाकरण मुहूर्त बतलाइए।

Describe the चूडाकरण मुहूर्त।

7. ग्रहाणां नीचोच्चराशय: निरूपणीया: ।

ग्रहों की नीच एवं उच्च राशियां निरूपित कीजिए

Explain the नीच and उच्च signs of the planets.

8. प्राचीनमते ग्रहाणां कक्षाक्रम: लेखनीय: ।

प्राचीन मनानुसार ग्रहों का कक्षाक्रम लिखिए।

Write about the कक्षाक्रम of ग्रह is according to the ancient theory.

9. समाहारद्वन्द्वविधायकसूत्रमेकं विलिख्य व्याख्यात।

समाहरद्वन्द्व का एक सूत्र लिखकर व्याख्या कीजिए।

Mention one rule prescribing समाहारद्वन्द्व and explain it.

10. अधिकरणभेदान् विरूपयत।

अधिकरण का भेद निरूपित कीजिए।

Explain the kinds of अधिकरण।

11. शब्दीभावनां विशदयत।

शाब्दी भावना को स्पष्ट कीजिए।

Elucidate शाब्दी भावना

12. न्यायमतानुसारं प्रमाणानि निरूपयत।

न्यायमत के अनुसार प्रमाणों का निरूपण कीजिए।

Explain the प्रमाण is according to the Nyāya

13. 'न प्रकृतिः न विकृतिः पुरुषः' — व्याख्यात।

'न प्रकृतिः न विकृतिः पुरुषः' — व्याख्या कीजिए।

'न प्रकृतिः न विकृतिः पुरुषः' — Explain.

14. पुराणलक्षणं विवृणुत।

पुराणलक्षण का विवरण कीजिए।

Explain the पुराणलक्षण।

15. उपनिषदां वैशिष्ट्यं प्रति पादयत।

उपनिषदों के वैशिष्ट्य को बतलाइए।

Bring out the special feature of the Upanisads

16. ''शान्तोऽपि नवमो रसः'' — व्याख्यात।

''शान्तोऽपि नवमो रसः'' — व्याख्यान कीजिए।

''शान्तोऽपि नवमो रसः'' — Explain

17. अर्थान्तरन्यासालङ्कारस्य लक्षणं विवृणुन।

अर्थान्तर न्यासालंकार के लक्षण का विवरण कीजिए।

Explain the difinition of अर्थान्तरन्यासालङ्कार।

18. ईश्वरानीश्वरवादयोः भेदं संक्षिपत।

ईश्वरवाद और अनीश्वरवाद का भेद संक्षेप में बतलाइए।

Bring out the difference betwee ईश्वरवाद and अनीश्वरवाद in brief.

19. साधनचतुष्टयं वर्णयत।

साधनचतुष्टय का वर्णन कीजिए।

Explain the four साधन is.

20. अविद्याया: लक्षणं निरूपयत।

अविद्या का लक्षण बतलाइए।

Explain the definition of अविद्या।

खण्डम् – III

खण्ड – III

SECTION - III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकावर्गः/विशेषज्ञतानुसारं पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। अभ्यर्थिना केवलमेकमेवैच्छिक वर्ग/विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव प्रञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकें पश्नः (12) द्वादशाङ्कात्मकोऽस्ति, एवं तदुत्तरं प्रायः शतद्वय (200) शब्दैःअपेक्ष्यते।

(12x5=60 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

ज्योतिषम्

21. ''पूर्वमायुः परीक्ष्येत'' इति युक्त्या निरूप्यताम्।

''पूर्वमायुः परीक्ष्येत'' इस को युक्ति पूर्वक निरूपित कीजिए।

''पूर्वमायुः परीक्ष्येत'' — Explain this with arguments.

22. अरिष्टयोगमेकं विलिख्य तद्भङ्गोऽपि प्रतिपादनीयः।

एक अरिष्टयोग लिखकर उस का भंग बतलाइए।

Write about one अरिष्टयोग and explain its भङ्ग।

23. पञ्चमभावस्य विचारणीयान् विषयान् निरूपयत।

पञ्चमभाव के विचारणीय विषयों का निरूपण कीजिए।

Explain the subjects of पञ्चमभाव।

24. लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्याभर्तुर्विनाशाय भर्ता पत्नीविनाशकृत्।।

— व्याख्यायताम्।
— इस की व्याख्या कीजिए।
— Explain this.

25. दशाफलं सङ्क्षेपेण प्रतिपादनीयम्।
दशाफल को संक्षेप में बतलाइए।
Explain briefly the दशाफल।

सिद्धान्तज्यौतिषम्

21. उपपाद्यताम् -
उपपत्ति बतलाइए -
Show the justification -

$$\frac{\text{लम्बज्या} \times \text{मध्यभूपरिधि}}{\text{त्रिज्या}} = \text{स्पष्ट भूपरिधिः}$$

22. अधिमासानयनं विविच्यताम्।
अधिमास साधन की विवेचना कीजिए।
Critically examine अधिमाससाधनम्

23. क्षेत्ररचनापुरःसरं मन्दफल साधनं विधीयताम्।
क्षेत्ररचनापूर्वक मन्दफल का साधन कीजिए।
Determine the मन्दफल with the diagram of क्षेत्र

24. सूर्यग्रहणं कदा सम्भाव्यते? सङ्क्षेपेण निरूप्यताम्।
सूर्यग्रहणं कब पडना है? संक्षेप में बतलाइए।
When does सूर्यग्रहण occur ? Explain in brief.

25. समीक्ष्यताम् -
समीक्षा कीजिए -
Critically Examine -
''प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्''।

व्याकरणम्

21. व्याख्यायताम् –
व्याख्या कीजिए –
Explain -
'फलव्यापारयोर्धातुः'।

22. संक्षेपेण अपत्यार्थकप्रत्यया: आलोच्यन्ताम्।
संक्षेप में अपत्यार्थक प्रत्ययों पर विचार कीजिए।
Briefly discuss the अपत्यार्थक suffixes.

23. विचार्यताम् –
विचार कीजिए –
Discuss critically -
'नित्यः शब्दार्थसम्बन्धः'।

24. स्फोटस्वीकाटे का युक्तिः? किं च तस्य स्वरूपम्?
स्फोट को स्वीकार करने में क्या युक्ति है? उसका क्या स्वरूप?
What is the argument for accepting स्फोट? What is its nature ?

25. ससूत्रमधोलिखितानां व्युत्पत्तिः प्रदर्शनीया।
निम्नलिखित शब्दों की सूत्रसहित व्युत्पत्ति लिखिए –
Give the derivation of the following, citing rules -
वास्तव्यः, शिष्यः, समूलघातम्।

मीमांसा

21. मीमांसानुसारं वेदानामपौरुषेयत्वं साधयत।
मीमांसा के अनुसार वेदों की अपौरुषेयता सिद्ध कीजिए।
Establish the अपौरुषेमता of the vedas according to मीमांसा।

22. पौर्णमासयागं वर्णयत।
पौर्णमासयाग का वर्णन कीजिए।
Describe the पौर्णमासयाग।

23. स्मार्तयागविधिमनुसृत्य रुद्रयागं निरूपयत।
स्मार्तयागविधि का अनुसरण करते हुए रुद्रयाग का निरूपण कीजिए।
By following 'स्मार्तयागविधि' comment upon 'रुद्रयाग'।

24. मीमांसानुसारम् अर्थवादविषयं विवेचयत।
मीमांसा के अनुसार अर्थवाद का विवेचन कीजिए।
Discuss the concept अर्थवाद according to मीमांसा।

25. श्रौतयागेषु अग्निहोत्रं वर्णयत।
श्रौतयागों में अग्निहोत्र का वर्णन कीजिए।
Describe the अग्निहोत्र in श्रौतयाग s.

नव्यन्यायः

21. द्रव्याणि यथाशास्त्रं विशदीकुरुत।
शास्त्र के अनुसार द्रव्यों का स्पष्टीकरण कीजिए।
Explain the द्रव्य s accoring to the न्याय system.

22. शाब्दबोधप्रक्रियां विमृशत।
शाब्दबोधप्रक्रिया का विमर्शन कीजिए।
Discuss शाब्दबोधप्रक्रिया.

23. जीवात्मनः स्वरूपं प्रतिपादयत।
जीवात्मा के स्वरूप को बतलाइए।
Discuss the nature of जीवात्मन्.

24. परमाणुकारणवादः सम्यगालोच्यताम्।
परमाणुकारणवाद का विमर्शन कीजिए।
Discuss परमाणुकारणवाद.

25. ईश्वरानुमानमुल्लिख्य व्याख्यायताम्।
ईश्वरानुमान के बारे में लिखकर व्याख्यान कीजिए।
Mention the inference for ईश्वर and explain it.

सांख्ययोगौ

21. सांख्यकारिकामनुसृत्य गुणान् समुपवर्णयत।
संख्यकारिकानुसार गुणों का वर्णन कीजिए।
Describe the गुण s following the सांख्यकारिका.

22. प्रधानकारणवादं प्रतिपादयत।
प्रधानकारणवाद का प्रतिपादन कीजिए।
Explain प्रधानकारणवाद.

23. समाधिस्वरूपं पातञ्जलयोगानुसारं विशदीकुरुत।
पातञ्जलयोगानुसार समाधि का स्वरूप बतलाइए।
Discuss in details the nature of समाधि according to पातञ्जलयोग.

24. समापत्तीः सोपपत्ति निरूपयत।
समापत्तियों का सोपपत्ति निरूपण कीजिए।
Discuss the समापत्ति s with justification.

25. योगदर्शने प्रतिपादितमीश्वरस्वरूपं निरूपयत।
योगदर्शन में प्रतिपादित ईश्वरस्वरूप को निरूपित कीजिए।
Determine the nature of ईश्वर as discussed in योगदर्शन।

तुलनात्मकदर्शनम्

21. भारतीयदर्शनानां सामान्यलक्षणानि प्रतिपादयत।
भारतीय दर्शनों के समान्यलक्षण प्रतिपादित कीजिए।
Determine the general features of the systems of Indian philosophy.

22. स्याद्वादैकान्तवादयोः अन्तरं प्रतिपादयत।
स्याद्वाद और एकान्तवाद में अन्तर बतलाइए।
Bring out the difference between स्याद्वाद and एकान्तवाद।

23. नास्तिकास्तिकयोः भेदं प्रतिपादयत।
नास्तिक और अस्तिक में भेद बतालाइए।
Bring out the difference between नास्तिक and आस्तिक।

24. प्रतिपादयत –
प्रतिपादन कीजिए –
Substantiate -
''ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या।''

25. शून्यवादक्षणभङ्गवादयोः अन्तरं निरूपयता।
शून्यवाद और क्षणभङ्गवाद में अन्तर बतलाइए।
Differentiate between शून्यवाद and क्षणभङ्गवाद।

शुक्लयजुर्वेदः

21. शतपथब्राह्मणस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।
शतपथब्राह्मण के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।
Describe the characteristics of शतपथब्राह्मण.

22. शुक्लयजुर्वेदे प्रतिपादितं सामाजिकं जीवनं वर्णयत।
शुक्लयजुर्वेद में प्रतिपादित सामाजिक जीवन का वर्णन कीजिए।
Describe the social life as found in शुक्लयजुर्वेद

23. शुक्लयजुर्वेदस्य उपनिषन्निर्देशपूर्वकं तद्वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।
शुक्लयजुर्वेद की उपनिषदों का निर्वेश करते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।
Write the name of the उपनिषद s of शुक्लयजुर्वेद and describe their characteristics.

24. पारस्करगृह्यसूत्रे प्रतिपादितं विवाहविषयं विवेचयत।
पारस्करगृह्यसूत्र में प्रतिपादित विवाह की विवेचन कीजिए।
Describe 'Marriage' according to पारस्करगृह्यसूत्र।

25. निरुक्तस्य महत्त्वं निरूपयत।
निरुक्त के महत्व का निरूपण कीजिए।
Point out the importance of निरुक्त।

माध्ववेदान्तः

21. प्रमाणलक्षणं सप्रभेदं निरूपयत।
प्रमाण का लक्षण एवं उसके भेद निरूपित कीजिए।
Discuss the definition and divisions of प्रमाण।

22. ब्रह्मात्मैक्यस्य याथार्थ्यं न संभवतीति मध्वरीत्या प्रतिपादयत।
'ब्रह्मात्मैक्यस्य याथार्थ्यं न संभवति' इस को माध्वरीति से समझाइए।
'ब्रह्मात्मैक्य is not possible in याथार्थ्य''। Explain with reference to Madhva.

23. 'अहं ब्रह्मास्मि' इति वाक्यार्थं द्वैतदिशा विवृणुत।
'अहं ब्रह्मास्मि' इस वाक्यार्थ का द्वैतमतानुसार विवेचन कीजिए।
Explain the meaning of the statement 'अहं ब्रह्मास्मि' according to Davita.

24. मध्वाभिमतंण ख्यातिं विशदयत।
मध्वमतानुसार ख्याति का वर्णन कीजिए।
Explain the ख्याति acceptable to Madhva.

25. 'विष्णोः सर्वोत्तमत्वमेव सर्वशास्त्रार्थत्वेन भगवता श्रुत्या चाभिहितम्' इति विशदयत।
'विष्णोः सर्वोत्तमत्वमेव सर्वशास्त्रार्थत्वं इस की विवेचना कीजिए।
'विष्णोः सर्वोत्तमत्वं' has been stated as the purport of all sastras by the Lord and the scriptures - Explain.

धर्मशास्त्रम्

21. को नाम धर्मः ? किं स्वरूपं च तस्य इति विवृणुत।
धर्म किसे कहते हैं? धर्म का स्वरूप क्या है? वर्णन कीजिए।
What is धर्म? What is the Nature of धर्म? Discuss.

22. विविधानां संस्काराणाम् विवरणं कुरुत।
विविध संस्कारों का विवरण दें।
Give an account of the संस्कार s.

23. आश्रम धर्मान् निरूप्यताम्।
आश्रम धर्म का निरूपण कीजिए।
Discuss आश्रमधर्म s.

24. विवाहभेदान् विवृणुत।
विवाहभेदों का वर्णन कीजिए।
Describe the different types of विवाह।

25. अशौच निर्णयं लिखत।
अशौच निर्णय के विषय में लिखें।
Write about अशौचनिर्णय।

साहित्यम्

21. किं तावत् साहित्यम्? साहित्यस्य स्वरूपं प्रतिपाद्य प्रयोजनं स्पष्टयत।
साहित्य किसे कहते हैं? साहित्य के स्वरूप का प्रतिपादन करते हुए उसके प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।
What is साहित्य? Explain the nature and purpose of साहित्य।

22. मम्मटोक्तं काव्यलक्षणं प्रतिपादयत।
मम्मट के काव्यलक्षण का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the definition of काव्य according to मम्मट।

23. उन्तमोत्तमकाव्यस्य लक्षणं स्पष्टयत।

उत्तमोत्तम काव्य के लक्षण को स्पष्ट कीजिए।

Discuss the definition of उत्तमोत्तमकाव्य।

24. अभिधास्वरूपं सविस्तरं निरूप्यताम्।

अभिधा के स्वरूप का विस्तारपूर्वक निरूपण कीजिए।

Discuss in details the nature of अभिधा।

25. लक्षणाया: भेदान् स्पष्टयत।

लक्षणा के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Clearly mention the divisions of लक्षणा।

पुराणेतिहासौ

21. श्रीमद्भागवतमहापुराणस्य वैशिष्ट्यानि प्रतिपादयत।

श्रीमद्भागवतमहापुराण के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।

Describe the characteristics of श्रीमद्भागवतमहापुराण।

22. श्रीमद्भगवद्गीतया: वैराग्यषट्कस्वरूपं सोपपत्तिकं निरूपयत।

श्रीमद् भगवद्गीता के अनुसार वैराग्यषट्क स्वरूप को सोपपत्ति निरूपित कीजिए।

Determine with justification the six types of वैराग्य as described in श्रीमद्भगवद्गीता।

23. पुराणलक्षणं निर्दिश्य सोदाहरणं विरादीकुरुत।

पुराणलक्षण का निर्देश करके उदाहरण सहित विवरण दीजिए।

Mention the definition of पुराण and explain it with examples.

24. शतसाहस्री संहिता का ? कानि च तद्वैशिष्ट्यानि इति सविस्तरमुपवर्णयत।

शतसाहस्री संहिता क्या है? उस की विशेषताएं क्या हैं? सविस्तर बतलाइए।

What is शतसाहस्री संहिता? Describe in detail its characteristics.

25. सन्यासिनां कर्त्तव्यानि समुपवर्णयत।

सन्यासी के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए।

Describe the duties of संन्यासिन् s.

आगम

21. व्याख्यायताम् -

व्याख्या कीजिए -

Expalin -

''पाशबद्धो भवेज्जीवः।''

22. अनुष्ठानपुरश्चरणयोरन्तरं विरूप्यताम्।

अनुष्ठान और पुरश्चरण का अन्तर बतलाइए।

Determine the difference between अनुष्ठान and पुरश्चरण।

23. आगमानुसारेण मोक्षस्वरूपं प्रतिपादयत।

आगम के अनुसार मोक्ष का स्वरूप बतलाइए।

Explain the nature of मोक्ष according to the आगम।

24. सम्यगालोच्यताम् -

समालोचना कीजिए -

Critically examine -

''मननात्त्रायते यस्मात्तस्मान्मन्त्र उदाहृतः''।

25. शैवागमानुसारं प्रत्यभिज्ञास्वरूपं निरूपयत।

शैवागम के अनुसार प्रत्याभिज्ञा का स्वरूप निरूपित कीजिए।

Explain the nature of प्रत्यभिज्ञा according to the शैवागम।

अद्वैतवेदान्तः

21. अद्वैतवेदान्तानुसारं ब्रह्मणः स्वरूपं प्रतिपादयत।

अद्वैतवेदान्त के अनुसार ब्रह्म का स्वरूप बतलाइए।

Describe the nature of Brahman according to Advaitavedamta.

22. मायायाः स्वरूपम् उपवर्ण्य तस्याः शक्तिद्वयं प्रतिपादयत।

माया का स्वरूप बतलाकर उसकी दोनों शक्तियाँ बतलाइए।

Describe the nature of माया and illustrate its two powers.

23. अचेतनस्य प्रधानस्य जगत्कारणत्वं निराकृस्त।

अचेतन प्रधान जगत् का कारण है इस का निरूपण कीजिए।

Refute the view that the Non-sentient is the cares of जगत्।

24. अद्वैते प्रस्थानत्रयस्य स्थानं निरूपयत।

अद्वैत मत में तीनों प्रस्थानों का स्थान निर्धारित कीजिए।

Examine the place of प्रस्थानत्रय in Advaita.

25. तत्त्वमसीति वाक्ये कीदृशी लक्षणा अद्वैतिभिः आश्रियते? तत्र को हेतुः?

तत्त्वमसि इस वाक्य में अद्वैतवादियों ने कौन सी लक्षणा मानी है और उस का कारण क्या है।

What type of लक्षणा in accepted in तत्त्वमसि by Advaitins ? Why ?

खण्डम् – IV
खण्ड – IV
SECTION - IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशदङ्कात्मकः (40) निबन्धाश्रेणीकः एकः प्रश्नोऽस्ति, यस्योत्तरं निम्नविषयाणां केवलम्, एकस्मिन् प्रायः सहस्रमितैः (1000) शब्दैरपेक्ष्यते।

(40x1=40 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

26. संस्कृतभाषाया कमप्येकं विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीय :

किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :

Write an essay in Sanskrit on any ***one*** of the following topics :

(क) काणादं पाणिनीयं च सर्वशास्त्रोपकारकम्।

(ख) सम्या रामायणी कथा।

(ग) भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा।

(घ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

(ङ) पर्यावरणरक्षणम्।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....